Hindi Murli Quiz 25-09-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **शुद्ध संकल्पों को अपने जीवन का अमूल्य खज़ाना बना लो तो ऐसे संकल्प कभी नहीं उठेंगे जिसमें अपना और दूसरों का कल्याण समाया है I**

A. सही

B. गलत

Explanation : यदि शुद्ध संकल्पों को अपने जीवन का अमूल्य खज़ाना बना लिया तो किसीका भी अकल्याण हो नहीं सकता।

Q.2) **आज की मुरली के अनुसार बाप की महिमा के विषय में जो कुछ_कहा गया है,उसे टिक करें --**

A. सर्वशक्तिमान,

B. निराकार ,

C. कर्ता पुरुष,

D. नॉलेजफूल ज्ञान का सागर

E. निष्कामी

F. सतनाम

G. सुप्रीम आत्मा ,

H. एको अंकार

Q.3) **पावन आत्मायें, जो भी आती हैं वह फिर पतित बन पड़ती हैं | सतो, रजो, तमो में तो सबको आना ही है | इस समय सब पतित हैं और धर्म स्थापक आत्माओं के सिवाय वापिस कोई भी गये नहीं हैं |**

A. सही

B. गलत

Explanation : पावन आत्मायें जो भी आती हैं वह फिर पतित बन पड़ती हैं | सतो, रजो, तमो में तो सबको आना ही है | इस समय सब पतित हैं और सब यहाँ ही हैं | वापिस कोई भी गये नही हैं |

Q.4) **आज के वरदान में बाबा ने कहा कि जब भी किसी स्थान की सेवा शुरू करते हो, तो सफलता सम्पन्न बनने के लिए, एक ही समय पर सर्व प्रकार की सेवा करो I वे सर्व प्रकार की क्या क्या सेवाएं हैं, टिक करें --**

A. सम्बन्ध सम्पर्क में आने से स्नेह और शान्ति के स्वरूप से आत्माओं को आकर्षित करो|

B. मन्सा में सदा शुभ भावना हो |

C. वाणी में बाप से सम्बन्ध जुडवाने की शुभ कामना के श्रेष्ठ बोल हों|

Explanation : ऐसे सर्व प्रकार की [मनसा ,वाचा ,कर्मणा] सेवा साथ-साथ करने से सफलता सम्पन्न बनेंगे |

Q.5) **आज की मुरली के अनुसार, आत्मा कहती है यह कौन है, कहाँ से आया है? उनको हम याद करते हैं फिर घड़ी-घड़ी भूल जाते हैं क्योंकि ---**

A. पुराने स्वभाव-संस्कार भुला देते हैं I

B. इस बाप की याद में कभी बैठे ही नहीं हैं|

C. देह अभिमान में आ जाते हैं I

Explanation : और सतसंगों में तो सामने सन्यासी, विद्वान आदि बैठे होते हैं | गुरु को देखने लग जाते हैं | यहाँ तो तुम जानते हो – परमपिता परमात्मा आकर इनमें प्रवेश करते हैं ,इनमें बैठ हमको सहज राजयोग सिखलाते हैं |

Q.6) **कौन सी अग्नि से हमारे पाप भस्म होंगे, हम स्वच्छ गोरा बन जायेंगे ?**

A. कामाग्नि

B. योग अग्नि,

C. क्रोध अग्नि,

D. ज्ञान अग्नि ,

Explanation : ज्ञान को अग्नि नहीं कहा जाता। क्रोध अथवा काम अग्नि तो पाप पैदा करती हैं।.

Q.7) **आज की मुरली के अनुसार धारणा के मुख्य बिंदु टिक करें --(उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. श्री श्री की श्रीमत पर चलते रहना है |

B. अशरीरी होने का अभ्यास करना है|

C. स्वदर्शन चक्रधारी बन मायाजीत जगतजीत बनना है | माया से डरना वा घबराना नहीं है |

D. तीव्र पुरुषार्थ से सम्पन्न और संपूर्ण बनना है I

E. पढाई पढ़कर स्वयं पर आपेही कृपा करनी है | बाप से कृपा मांगनी नहीं है |

Q.8) **इन्हें मिलाइये --**

	Choice	Match
A		

	मेरा स्वधर्म शान्त है और मैं शान्ति देश में रहने वाली हूँ,	यहाँ यह आरगन्स मिलता है तो टॉकी बनती हूँ।
B	बाप अपना परिचय बच्चों को देंगे,	बच्चे बाप का परिचय औरों को देंगे।
C	तुम जानते हो यह कोई गुरु गोसाई नहीं है,	यह तो परमधाम में रहने वाला परमप्रिय बाबा है।
D	ब्रह्मा सब बातों का अनुभवी है,गुरु आदि किये हुए है,	कृष्ण को थोडे ही गुरु-गोसाई करने पड़ते।
E	ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को भगवान् नही कहेंगे,	ये सूक्ष्मवतनवासी अव्यक्त हैं, इन्हें देवता कहेंगे।
F	कुछ बच्चे कहते हैं कि फुर्सत नहीं, सुनेंगे नहीं,	तो नये-नये ज्ञान बाण बुद्धि रूपी तरकस में कैसे भरेंगे।

Explanation :

Q.9) **आज की मुरली के अनुसार, जो बच्चे रोज़ पढाई अच्छी रीति पढ़ते और पढ़ाते हैं उनकी निशानियाँ क्या हैं ? (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. उनकी बुद्धि रूप तरकस में ज्ञान बाण भरे रहते हैं।

B. वही ऊँच पद पाते हैं।

C. वही मात-पिता समान कांटों को कली और कलियों को फूल बनाने की सेवा कर सकते हैं।

D. वही साहूकार प्रजा में आते हैं।

Q.10) **इन्हें मिलाइये --**

	Choice	Match
A	माया बड़े तूफान लाती है। इसमें डरना नहीं है। ऐसे नहीं, बाबा कृपा करो,	बाप कहेंगे तुम पढकर अपने पर आपेही कृपा करो।
B	पवित्र तो जरुर बनना है। बाप से प्रतिज्ञा करनी है।	नहीं तो काल के मुँह में चले जायेंगे, फिर इतना ऊँच पद पा नहीं सकेंगे।
C	कल्प-कल्प हम राज्य लेते हैं फिर गँवाते हैं।	बाबा तो सुख-दुःख नहीं देते हैं। वह है ही सदैव सुख दाता।
D	माया से डरना वा घबराना नहीं है।	स्वदर्शन चक्रधारी बन मायाजीत जगतजीत बनना है।
E	असुल में तुम्हारा नाम श्याम सुन्दर है।	सतयुग में शरीर और आत्मा दोनों सुन्दर हैं। कलियुग में श्याम बनते हो।
F	सेवा के हर कदम में सफलता समाई हुई है,	इसी निश्चय के आधार पर सेवा करते चलो।

Explanation :